# Unity and Struggle

The National Executive of NFTE BSNL met from 15th to 17th October at Coimbatore and deliberated in detail about the present threats being faced by the PSU and its workers due to wrong policies of the govt. as well as of BSNL management. The Govt. has withdrawn various concessions being enjoyed by the company forgetting it is fulfilling social objectives. Not only this the Govt. has ensured that equipments are not available for the expansion of Mobile services and improvement in the network. Atleast on six occasions the DoT has ensured cancellation of Tenders floated by the PSU to procure the equipments. Due to the apathy of the Govt. the private operators have captured the large portion of the market. The BSNL was forced by DoT to pay heavy amount of BWA spectrum charges and there has been no flexibility to PSU in selecting circles of choice for 3G spectrum. BSNL administration failed to provide necessary materials and all these placed the company in loss.

The BSNL Hqr. is now targetting the employees although they are not at fault. **The facilities of LTC, leave encashment and medical allowance without vouchers have been frozen. The workers are threatened with the retrenchment scheme. None can say with authority that further facilities being enjoyed by the employees will continue uninterrupted and unchecked.**

The National Executive considered the entire scenario and has concluded that the issues are very serious and only through the sustained united struggle the PSU can be saved and workers protected. Therefore evolving unity of all unions is need of the hour. The workers can be mobilised and confidence generated to a very great extent once unity of union is established for continuous and indefinite struggle. The "one day strike" will not serve any purpose except consolation that protest has been recorded. Our fight is against the policies and approach of the Govt.

Therefore, NFTE appeals to all to evolve unity for serious united struggle. The NFTE stands for unity of workers and will not lag behind in struggle.

# एकता एवं संघर्ष

नेशनल फेडरेशन ऑफ टेलीकाम इम्पलाईज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की 15 से 17 अक्टूबर की सम्पन्न बैठक ने बीएसएनएल उपक्रम तथा कर्मचारियों के सम्मुख खतरों तथा चुनौतियों पर बृहत चर्चा की। वर्तमान के खतरें, संकट एवं चुनौतियां सरकार तथा प्रबंधन की गलत नीतियों का परिणाम है। सरकार ने बीएसएनएल को दी जाने वाली रियायतों को वापस कर ली है। सरकार ने यह भी चिन्ता नहीं किया कि बीएसएनएल सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वाह कर रहा है। सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया कि बीएसएनएल में जीएसएम के विकास–विस्तार हेतु उपकरण उपलब्ध न हो तथा नेटवर्क में सुधार भी नहीं हो। डीओटी ने बीएसएनएल के उपकरणों के छः टेंडरों को निरस्त करवाया है। सरकार की हठधर्मी के परिणामस्वरूप निजी कम्पनियों ने बाजार पर कब्जा कर लिया है। इतना ही नहीं सरकार के दबाव के कारण कम्पनी को बी डब्लयू ए के अधिक मूल्य का भुगतान करना पड़ा है। उपक्रम को 3 जी स्पेक्ट्रम लेने हेतु विकल्प भी नहीं दिया गया। प्रबंधन सामग्रियों को भी उपलब्ध कराने में असफल रहा है। अधिकांशत इन्हीं कारणों से बीएसएनएल आज हानि में है जिसमें कर्मचारियों की कोई भूमिका नहीं है। परन्तु प्रशासन कर्मचारियों के ऊपर निशाना साध रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। कर्मचारियों से छुट्टी नगदीकरण, एल टी सी तथा बिना वाऊचर के चिकित्सा सुविधाओं को छीन लिया है। सरकार के इशारे पर कर्मचारियों की छंटनी प्रस्तावित है। आज कोई विश्वास के साथ नहीं कह सकता कि कर्मचारियों से अन्य सुविधाएं नहीं छीनी जाएगी।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने सम्पूर्ण परिस्थितियों को संज्ञान में लेते हुए निर्णय किया है कि स्थिति गम्भीर तथा चिन्ताजनक है। ***अतः एकीकृत निरन्तर संघर्ष से ही उद्योग तथा कर्मचारियों की सुरक्षा सम्भव है। अतः संघों की एकता समय की मांग है।*** संघों की एकता से कर्मचारियों में विश्वास उत्पन्न होगा तथा वे अनिश्चितकालीन संघर्ष हेतु प्रोत्साहित होंगे। एक दिन की हड़ताल से परिणाम मिलना लगभग असम्भव है। यह मात्र विरोध तथा संघर्ष होगा। क्या हमारा ध्येय केवल विरोध करना है? हमारा विरोध सरकार की नीतियों के विरूद्ध है।

अतः एनएफटीई सभी संघों से संयुक्त संघर्ष हेतु एकता की अपील करता है। एनएफटीई कर्मचारियों की एकता का प्रबल पक्षधर तथा संघर्ष से मुख नहीं मोड़ेगा।